हिन्दी दैनिक

सत्ता संकेत

मंगलवार, 17 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 105 04 पेज, मूल्य ₹1.00

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर साल बदलता रहा जन्मदिन मनाने का अंदाज

देश सेवा रही प्रमुख थीम

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को 74 साल के हो जाएंगे, जिससे उनकी दशकों की सार्वजनिक सेवा में एक और शानदार साल जुड़ जाएगा।

पीएम मोदी का जन्मदिन किसी भी अन्य कार्य दिवस की तरह ही है, लेकिन यह सेवा पर्व मनाने का अवसर भी है, जो एक पखवाड़ा उत्सव है, जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हर साल नागरिक कल्याण और मानवता को ध्यान में रखकर निस्वार्थ सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित करती है। 17 सितंबर 1950 को गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर ■ शेष पेज 04 पर

> रिकॉर्ड तीसरी बार बने देश के प्रधानमंत्री

80 हजार शिक्षकों का दो अरब बकाया जल्द मिलेगा

लखनऊ, संवाददाता।

प्रदेश के एडेड स्कूलों के 80 हजार से अधिक पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों के जल्द ही बकाये का भुगतान होगा। सरकार मंडल स्तर पर शिविर लगा कर डेढ़ दशक से भी अधिक समय से लंबित इस बकाया धनराशि के शीघ्र भुगतान की व्यवस्था करने जा रही है। इसके तहत माध्यमिक शिक्षा निदेशालय स्तर से बकाया के लिए आवंटन प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा। साथ ही शासन स्तर से हर पखवाड़े के आवंटन प्रक्रिया की मॉनिटरिंग भी की जाएगी।एडेड स्कूलों के पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों के करीब 15 सालों से बकाया चल रहे एसीपी, चयन वेतनमान, प्रोन्नत वेतनमान, पदोन्नति पर मिलने वाली वेतनवृद्धि तथा स्वैच्छिक परिवार कल्याण के तहत प्राप्त होने वाले वेतनवृद्धि आदि के भुगतान की प्रक्रिया शीघ्र शुरू होने जा रही है।

पाकिस्तान दुनिया का नासूर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योगी बोले, इलाज तो शुरू लेकिन ऑपरेशन जरूरी

त्रिपुरा, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां कहा कि पाकिस्तान मानवता का कैंसर है, जो पूरी दुनिया के लिए नासूर बन चुका है और इसका इलाज बगैर आपरेशन के नामुमकिन है।सोमवार को सिद्धेश्वरी मंदिर का उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि आजादी के समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल अगर मिलकर मुस्लिम लीग की साजिश को विफल कर देते तो यह नासूर अस्तित्व में नहीं होता। जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना ■ शेष पेज 04 पर

> बांग्लादेश के हालात पर हमें चिंतन करने की आवश्यकता है: सीएम योगी

खास खबर

सेवा पखवाड़ा अभियान में आज शामिल होंगे सीएम

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर मंगलवार से भाजपा के सेवा पखवाड़ा के तहत पहले ही दिन पार्टी पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान चलाएगी। रक्तदान शिविर भी लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के साथ ही उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक लखनऊ में आयोजित स्वच्छता अभियान में शामिल होंगे ।सेवा पखवाड़ा अभियान के प्रभारी संजय राय ने बताया है कि पूरे प्रदेश में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता रक्तदान करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी में रक्तदान शिविर का उदघाट्न करेंगे।

संगम नगरी में गंगा-जमुना लाल निशान के करीब

प्रयागराज। पहाड़ों में हो रही बारिश का असर उत्तर प्रदेश के मैदानी भाग में दिखने लगा है। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर चेतावनी बिन्दु 83.73 मीटर को पार कर खतरे के निशान 84.73 मीटर के नजदीक पहुंच चुका है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार दोनो नदियों के जलस्तर बढ़ने की रफ्तार हालांकि धीमी है। पिछले 12 घंटों में गंगा का जलस्तर 15 सेंटीमीटर और यमुना का 12 सेंटीमीटर बढ़ा है। रविवार रात आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.92 मीटर और छतनाग में 83.14 मीटर तथा नैनी में यमुना 83.78 मीटर दर्ज किया गया था।आंकडों के अनुसार सोमवार की सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा धीमी गति से 15 सेंटीमीटर बढ़कर 84.07 मीटर पर पहुंच गयी हैं वहीं छतनाग में 26 सेंटीमीटर बढ़कर 83.40 मीटर पर बह रही हैं जबकि नैनी में एक सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ते हुए कुल 12 सेंटीमीटर बढ़कर 83.90मीटर पर बह रही हैं।

सत्ता के दुरुपयोग में लगी है मंत्रियों की फौज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सरकार के मंत्रियों की फौज और प्रशासन तंत्र जनता की परेशानियों को दूर करने के बजाय सत्ता का दुरुपयोग करने में लगी है। विभिन्न जिलों में हुई भारी बारिश से कई लोगों की मौत हो गई, लेकिन सरकार पीड़ितों के पास तक नहीं पहुंचीं और न ही उनकी कोई मदद की।अखिलेश ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि किसानों को मुआवजा देने, बीमारों के इलाज और पशुओं के चारे की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। प्रदेश के दर्जनों जिलों के सैकड़ों गांव बाढ़ और भारी बरसात से प्रभावित हैं। जनजीवन तबाह है, बाढ़ से किसानों की खेती, घर आदि बर्बाद हो गए।

मोदी 3.0 के 100 दिन

टैक्स छूट और यूपीएस से मध्यम वर्ग को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए कार्यकाल के पहले 100 दिन में केंद्र सरकार ने टैक्स छूट और सरकारी कर्मचारियों के लिए नई पेंशन स्कीम लाकर मध्यम वर्गीय लोगों को बड़ी राहत दी है।जुलाई में पेश किए गए आम बजट 2024 में नई टैक्स रिजीम के तहत 10 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।

नौकरीपेशा लोगों को राहत देते हुए स्टैंडर्ड डिडक्शन छूट को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया। फैमिली पेंशन की सीमा को बढ़ाकर 25,000 कर दिया गया।केंद्र सरकार की ओर से टैक्स सिस्टम को सरल बनाए जाने को लेकर लगातार काम किया जा रहा है।बजट के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से कहा गया था कि अगले कुछ महीनों में नया इनकम टैक्स एक्ट आएगा। नए इनकम टैक्स एक्ट में नियमों के सरलीकरण को महत्व दिया जाएगा। इससे ■ शेष पेज 04 पर

> 100 दिन में 15 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने री-इनवेस्ट का किया उद्घाटन, कहा

हम भारत में बना रहे 7 करोड़ घर

गांधीनगर, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं। ये दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। श्री मोदी ने सुबह गांधीनगर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के ■ शेष पेज 04 पर

> ये दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा

उद्घाटन से पहले वंदे मेट्रो का नाम बदला, बनी

नमो भारत रैपिड रेल

भुज/अहमदाबाद, एजेंसी।

रेलवे ने छोटी एवं मध्यम दूरी यात्रा न्यूनतम समय में पूरी करने वाली नवनिर्मित वातानुकूलित वंदे मेट्रो ट्रेन का नाम उद्घाटन से कुछ घंटे पहले बदल दिया और इसे नमो भारत रैपिड रेल का नया नाम दिया गया है।सोमवार को सरकार ने इस ट्रेन का नाम बदलने की सूचना दी। इसके साथ ही मेरठ से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को भी नमो भारत रैपिड रेल नाम दिया गया जिन परियोजनाओं का शिलान्यास या उद्घाटन किया गया, उनमें सामखियाली - गांधीधाम और गांधीधाम - आदिपुर रेलवे लाइनों का ■ शेष पेज 03 पर

> सत्ता के लालची लोग भारत के टुकड़े टुकड़े करने पर आमादा : मोदी

है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि जिस समय भारत दुनिया में विकास का ब्रांड बन रहा है उसी समय देश में सत्ता के लालच में कुछ लोग नकारात्मकता फैलाने और तुष्टीकरण के लिए देश की एकता अखंडता पर प्रहार कर टुकड़े-टुकड़े करने की कोशिश कर रहे हैं। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद से तीसरे कार्यकाल में गुजरात की पहली यात्रा में आज अहमदाबाद में एक विशाल जनसभा में साढ़े आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केन्द्रीय मंत्री सी आर पटेल भी शामिल थे।

मैं देश के लिए जिऊंगा, देश के लिए खप जाऊंगा: मोदी

गांधीनगर, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि मैं देश के लिए जिऊंगा और देश के लिए खप जाऊंगा। मेरे लिए 140 करोड़ भारतवासियों का आशीर्वाद ही सब कुछ है।

श्री मोदी ने कहा, मैं सरदार पटेल की भूमि में पैदा हुआ हूं, हर मजाक और अपमान को सहते हुए मैंने 100 दिन देश हित के लिए अनेक जनकल्याणकारी नीति बनाने और निर्णय लेने में बिताए हैं। भारत की शान बढ़ाने और प्रत्येक भारतीय को सम्मानपूर्वक जीवन सुलभ कराने के उद्देश्य के साथ केंद्र सरकार लगातार नई ऊर्जा और नई चेतना के साथ कार्यरत रहेगी। मैं देश के लिए जिऊंगा और देश के लिए खप जाऊंगा। मेरे लिए 140 करोड़ भारतवासियों का आशीर्वाद ही सब कुछ है। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद ■ शेष पेज 04 पर

जम्मू-कश्मीर में दो प्रधान, दो निशान, दो झंडे अब कभी नहीं हो सकते: शाह

जम्मू, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जब तक केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार है, कोई भी ताकत जम्मू क्षेत्र में नब्बे के दशक की तरह के आतंकवाद को पुनर्जीवित नहीं कर सकती।श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद को इस हद तक खत्म कर देगी कि वह फिर से कभी नहीं पनप सके।श्री शाह ने किश्तवाड़ क्षेत्र के पद्दार-नागसेनी विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा,राष्ट्र-विरोधी और शांति-विरोधी तत्व जम्मू क्षेत्र में 90 के दशक जैसा माहौल वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम आतंकवाद को जमीन से कई फुट नीचे धकेल देंगे, ताकि वह फिर से ■ शेष पेज 03 पर

> जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फिर से न पनपने की हद तक खत्म होगा: शाह

पूर्वजों की आत्मा की मुक्ति -शांति का पखवारा है पितृपक्ष

प्रयागराज, एजेंसी।

पितरों की आत्मा की मुक्ति और शांति के लिए भाद्र मास में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से आरम्भ होकर आश्विन मास में कृष्ण पक्ष की अमावस्या तक एक पखवाड़े तक चलने वाला पितृपक्ष मंगलवार से शुरू हो रहा है।

भाद्र पक्ष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा से आरम्भ होकर आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक चलने वाला एक पखवाड़े का पितृपक्ष मंगलवार 17 सितंबर की सुबह 11 बजे लगकर अगले दिन 18 सितंबर की सुबह 8.41 बजे तक रहेगी। इसमें उदया तिथि नहीं मानी जाती। इसलिए 17 सितंबर को पूर्णिमा एवं 18 सितंबर को प्रतिपदा का श्राद्ध किया जाएगा। एक पखवाड़े तक चलने वाले श्राद्ध तिथियों में मुख्य 18 सितंबर को प्रतिपदा तिथि को पड़वा श्राद्ध, 26 सितंबर को मातृ नवमी को मां का श्राद्ध, 29 सितंबर द्वादशी का तिथि को संन्यासियों का, एक अक्टूबर चतुर्दशी तिथि पर अस्त्र-शस्त्र या अकाल मौत वालों का श्राद्ध और दो अक्टूबर को अमावस्या का श्राद्ध किया जाता है। सनातन धर्म में पितरों की आत्मशांति और मोक्ष प्राप्ति के लिए पितृ पक्ष का ■ शेष पेज 03 पर

यूपी में बाढ़ का कहर

घाघरा-शारदा समेत कई नदियां उफान पर, सैकड़ों गांव बाढ़ की जद में

गोण्डा, एजेंसी।

पहाड़ों पर हो रही तेज बारिश और बैराजों से छोड़े जा रहे लाखों क्यूसेक पानी से नेपाल सीमा से सटे देवीपाटन मंडल के गोण्डा,बहराइच,बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों में घाघरा, सरयू, राप्ती, शारदा, कुआनो ,बिसुहि, टेढ़ी और मनोरमा समेत सभी प्रमुख नदियों और दो दर्जन से अधिक पहाड़ी नाल उफान पर है।

बाढ़ तटवर्ती करीब सौ से अधिक गांवों की डेढ़ लाख की आबादी को अपनी जद में ले रही है। मंडल मुख्यालय गोण्डा के कर्नलगंज और तरबगंज तहसील क्षेत्रों में बह रही घाघरा और सरयू नदियों के लगातार खतरे के निशान को पारकर बहने व नदियों के तेज बहाव से जिले के करीब पच्चीस गांव जलमग्न है।बाढ़ की विभीषिका का दंश झेल रहे इन गांवों के लगभग पच्चीस हजार की आबादी का जीवन भी बाढ़ ■ शेष पेज 03 पर

सम्पादकीय

केजरीवाल के इस्तीफे के निहितार्थ

कथित शराब घोटाले के आरोप में 177 दिनों तक तिहाड़ जेल में रहने के बाद 13 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को जमानत मिली। रविवार को श्री केजरीवाल ने अगले दो दिनों के भीतर अपने पद से त्यागपत्र देने का ऐलान कर दिया है। यह स्पष्ट करते हुए कि उनके साथी मनीष सिसोदिया भी इस पद पर नहीं बैठेंगे जो इसी आरोप में जेल में ही लम्बा समय बिताकर जमानत पर छूटे हैं।रविवार को पार्टी सहयोगियों के साथ आयोजित एक बैठक में इस्तीफे के फैसले साथ ही उन्होंने बतलाया कि अगला मुख्यमंत्री उनके इस्तीफा देने के दो-तीन दिनों के बाद चुन लिया जायेगा। उन्होंने सरकार से यह मांग की कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी महाराष्ट्र के साथ नवम्बर में करा लिये जायें जो कि वैसे अगले साल की फरवरी में किये जाने की सम्भावना है। यह अलग बात है कि केन्द्रीय चुनाव आयोग आप की इस मांग को शायद ही माने। संभावना है कि भारतीय जनता पार्टी की सुविधा के अनुसार ही दिल्ली के चुनाव होंगे। माना यह जा रहा है कि केजरीवाल ने इसलिये इस्तीफा दिया क्योंकि काम-काज के लिये कोई गुंजाइश ही नहीं रह गयी है। न तो वे सचिवालय जा सकते हैं और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए इतनी तरह की शर्तें लगा दी हैं कि वे शायद ही कोई काम कर सकें। दिल्ली चुनाव के पहले सरकार को अनेक तरह के काम पूरे करने हैं। जरूरी है कि ऐसा मुख्यमंत्री हो जिसके पास तमाम अधिकार हों।अरविंद केजरीवाल के इस फैसले के तुरंत बाद भाजपा ने उन पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। कोई सवाल उठा रहा है कि पहले इस्तीफा क्यों नहीं दिया, तो कोई आरोप लगा रहा है कि यह अपने जुर्म को स्वीकार करने जैसा है। भाजपा की तरफ से एक नेता ने ये दावा तक किया कि अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बना कर अपनी मर्जी का शासन चला सकते हैं। हालांकि अभी किसी को नहीं पता कि दो दिन बाद मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर किसे सामने किया जाएगा। जहां तक भाजपा के हमलों का सवाल है, तो यह जाहिर हो गया है कि भाजपा अरविंद केजरीवाल के इस कदम का अनुमान लगा ही नहीं पाई थी। उसके लिए यह अप्रत्याशित फैसला था और वह इसके लिए तैयार नहीं थी।बहरहाल, यह फैसला ऐसे वक्त पर लिया गया है जब हरियाणा के चुनाव अक्टूबर के पहले हफ्ते में होने जा रहे हैं जिसमें लगभग सभी 90 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है। वैसे राहुल गांधी ने बड़ी कोशिश की थी कि हरियाणा में कांग्रेस और आप मिलकर चुनाव लड़ें। इसे लेकर कांग्रेस और आप में प्रारंभिक चर्चा भी हुई, लेकिन आप ने स्वतंत्र रूप से लड़ना मुनासिब समझा। यह लगभग वैसा ही है जैसा लोकसभा चुनाव आप ने दिल्ली में कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा लेकिन पंजाब में दोनों दल आमने-सामने थे। हालांकि आप और कांग्रेस के अलग-अलग लड़ने से लाभ मिलने की गुंजाइश भाजपा के लिए बढ़ जाती है, इस तथ्य पर आप नेता विचार करेंगे ही। इंडिया गठबन्धन का हिस्सा बने रहने का दावा आप करती है और कई मौकों पर कांग्रेस ने उसे मदद भी की।

राहुल गांधी से भयभीत मोदी

इस समय भाजपा राहुल गांधी की राजनीति से इतना भयभीत है कि उनके हर बयान पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर है। दरअसल, पिछले दो साल से लगातार राहुल गांधी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के मुद्दों पर मुखर हैं। संविधान, आरक्षण और दलितों- आदिवासियों के सम्मान- स्वाभिमान के लिए राहुल गांधी लगातार संघर्ष कर रहे हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी ओबीसी का मुखौटा लगाकर आए थे।

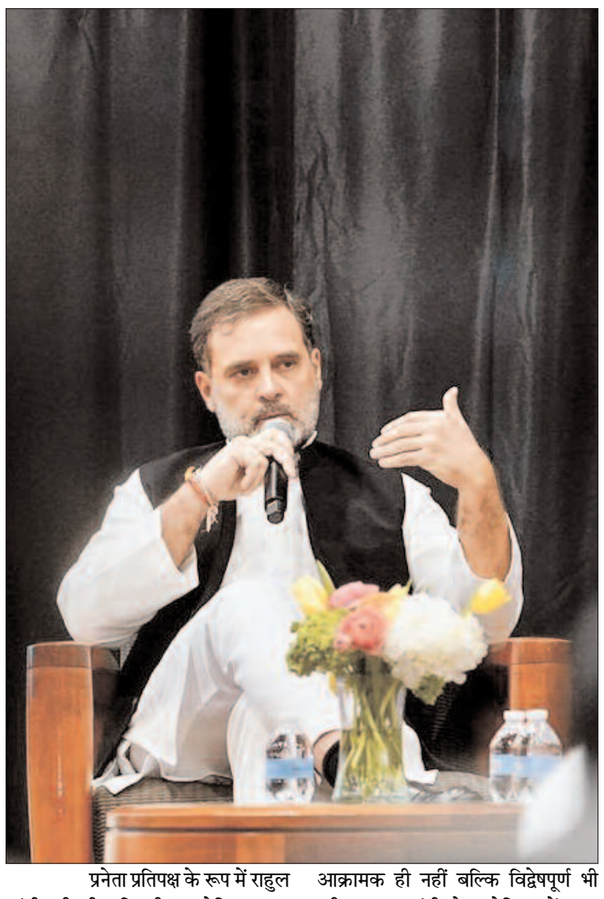

प्रनेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा संपन्न हो चुकी है। इस यात्रा में राहुल गांधी ने डलास और वॉशिंगटन डीसी में भारतवंशियों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया। जैसाकि पहले से ही अनुमान था कि राहुल गांधी के भाषणों और वक्तव्यों का भारतीय जनता पार्टी विरोध करेगी। राहुल गांधी के बयानों पर भाजपा की प्रतिक्रिया आक्रामक ही नहीं बल्कि विद्वेषपूर्ण भी रही। राहुल गांधी ने अमेरिका में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर बात की। राहुल गांधी के बारे में यह बात कही जाती है कि वह सिर्फ आचरण में ही नैतिक नहीं हैं बल्कि संवादों और भाषणों में भी बेहद ईमानदार हैं। कई बार राजनीतिक नफा-नुकसान को भूलकर वे बौद्धिक और तार्किक ढंग से सवालों का जवाब देते हैं। मसलन, आरक्षण और जाति जनगणना के सवाल पर वे बेहद स्पष्ट और मुखर हैं।अमेरिका में भी राहुल गांधी ने आरक्षण पर अपनी राय व्यक्त की। आरक्षण खत्म करने के बारे में एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि असमानता और सामाजिक भेदभाव खत्म होने के बाद आरक्षण को समाप्त करने पर विचार किया जा सकता है। लेकिन अभी भारत में ऐसी स्थिति नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी के इस बयान पर तूफान खड़ा कर किया। अमित शाह ने ट्वीट करके कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी आरक्षण विरोधी हैं। कांग्रेस दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करना चाहती है। लेकिन जब तक भारतीय जनता पार्टी है तब तक कोई आरक्षण समाप्त नहीं कर सकता। यह बयान कितना खोखला है, यह भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की विचारधारा और मंसूबों से समझा जा सकता है। आजादी के समय से ही हिंदुत्ववादी आरक्षण ही नहीं बल्कि संविधान विरोधी भी रहे हैं।डॉ. आंबेडकर से लंबे समय तक उनका बैर किसी से छिपा नहीं रहा। इस नफरत के दो सबसे बड़े कारण थे। एक तो अंबेडकर दलित थे और दूसरा उन्होंने दलितों, आदिवासियों के उत्थान एवं सम्मान, स्वाभिमान की रक्षा हेतु संविधान में आरक्षण जैसा विशेष प्रावधान किया था। इसलिए दशकों तक यह नफरत जुबान पर भी होती थी, जो अब केवल दिलों में है। आज भले ही मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माला चढ़ाते हों या उनके स्मारक बनवाते हों लेकिन सच यही है कि डॉ. अंबेडकर के प्रति ना तो उनके मन में कोई सम्मान का भाव है और ना ही वे दलित समाज को बराबरी का दर्जा देना चाहते हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि राहुल गांधी के इस बयान पर चिराग पासवान, जीतन राम मांझी से लेकर मायावती जैसे नेताओं ने भी तल्ख बयानी की। या तो इन दलित नेताओं ने राहुल गांधी के बयान को पूरी तरह से सुना ही नहीं या वे राहुल गांधी को अविश्वसनीय और आरक्षण विरोधी स्थापित करने के भाजपा के प्रोजेक्ट में साझीदार हैं। अपने बयान पर आने वाली प्रतिक्रियाओं के अगले दिन ही राहुल गांधी ने वाशिंगटन में इस मुद्दे को स्पष्ट करते हुए कहा कि वह कतई आरक्षण विरोधी नहीं हैं। बल्कि वे 50 फीसदी की आरक्षण की सीमा को खत्म करना चाहते हैं और पिछड़ों- वंचितों के लिए आरक्षण बढ़ाना चाहते हैं। वंचना और वैभव की खाई की सही जांच हो सके इसके लिए वह लगातार जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं।

इस समय भाजपा राहुल गांधी की राजनीति से इतना भयभीत है कि उनके हर बयान पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर है। दरअसल, पिछले दो साल से लगातार राहुल गांधी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के मुद्दों पर मुखर हैं। संविधान, आरक्षण और दलितों- आदिवासियों के सम्मान- स्वाभिमान के लिए राहुल गांधी लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

2014 में नरेंद्र मोदी ओबीसी का मुखौटा लगाकर आए थे। लंबे समय तक उन्होंने इसका फायदा उठाया। लेकिन राहुल गांधी ने जाति जनगणना और सरकारी संस्थानों में प्रतिनिधित्व का सवाल उठाकर मोदी का यह मुखौटा नौंच दिया। आज राहुल गांधी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की उम्मीद बनकर उभरे हैं। देश के बहुसंख्यक तबके यानी दलित, पिछड़े और आदिवासियों में राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता और विश्वास भाजपा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसीलिए राहुल गांधी के खिलाफ आरक्षण विरोधी होने का भ्रम फैलाकर मोदी और शाह दरकती हुई अपनी जमीन और साख को बचाना चाहते हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से साफ है कि राम मंदिर, हिंदुत्व और दलितों- पिछड़ों के खिलाफ लागू की गई नीतियों से प्रभावित-प्रसन्न सवर्ण तबके ने 2019 के चुनाव की अपेक्षा भाजपा को ज्यादा वोट दिया।लेकिन दूसरी तरफ भाजपा को दलितों और पिछड़ों की नाराजगी का नुकसान उठाना पड़ा। इसका फायदा इंडिया एलाइंस को मिला। कांग्रेस पार्टी को दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों ने अपेक्षाकृत अधिक वोट किया। राहुल गांधी के इर्द-गिर्द या कांग्रेस पार्टी के प्रमुख चेहरे भले ही सवर्ण हों लेकिन वोटर तो दलित वंचित और अल्पसंख्यक ही हैं। ऐसे में न सिर्फ भाजपा को बल्कि बहुजन समाज की राजनीति करने वाली मायावती को भी राहुल गांधी खतरा नजर आ रहे हैं। इसीलिए मायावती लगातार राहुल गांधी पर हमलावर हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के नतीजों और आंकड़ों से समझा जा सकता है कि मायावती की राजनीति को राहुल गांधी ने कितना कमजोर किया है। बसपा इस चुनाव में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। यूपी की सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली बसपा को केवल 9.39त्न वोट मिले जबकि केवल 17 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल करते हुए बसपा से अधिक 9.46त्न वोट प्राप्त किए। ये आंकड़े बताते हैं कि बसपा का गढ़ रहे उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे में मायावती का जनाधार तेजी से घट रहा है। इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिल रहा है। जाहिर तौर पर इस कामयाबी में सबसे बड़ी भूमिका राहुल गांधी की है। यही कारण है कि राहुल गांधी की सामाजिक न्याय की राजनीति और जनप्रियता से मोदी और मायावती दोनों नेता भयभीत हैं।

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है।

बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है। यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट ह्यवायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024 बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 में यह चेताया भी है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है।

पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है। हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता? ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है।

ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही ढाक के तीन पात। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिदेर्शों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं।

पुतिन के सामने डोभाल का झुका हुआ सिर भारत का अपमान है!

जिन्दगी का एक सिद्धांत है। जो भी चीज आप दूसरे पर लागू करोगे वह एक दिन आप पर ही हमला करेगी। यूपीए सरकार के समय भाजपा और मीडिया ने एक शब्द का ईजाद किया था। बाडी लेंग्वेज! 2012-13 में इस शब्द के जरिए ये रोज डां. मनमोहन सिंह सोनिया गांधी शीला दीक्षित और अन्य कांग्रेसी नेताओं का पोस्टमार्टम करते रहते थे। उन्हें अपराधी, भ्रष्टाचारी, डरे हुए और जाने क्या-क्या बनाते रहते थे। शक्ल देखकर।आज वही बाडी लेंग्वेज अपने असली रूप में विश्व फलक पर सामने आ गई। दुर्भाग्य से इन लोगों ने उसे देश की छवि के रूप में रख दिया। गलत छवि। जो कभी नहीं थी। कमजोर छवि। माफी मांगने की मुद्रा !जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ के घर पर खुद के द्वारा की जा रही पूजा की फोटो ट्विट करके चीफ जस्टिस को जवाब देने लायक भी नहीं छोड़ा वैसे ही रूस ने अपने राष्ट्रपति के सामने सिर झुकाए सफाइयां दे रहे भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का वीडियो जारी करके भारत की इतने सालों की कमाई अन्तरराष्ट्रीय सम्मान पर एक झटके से गहरा दाग लगा दिया।

भारत जिसके बारे में यह केवल बढ़-बढ़कर बातें करते हैं मदर आफ डेमोक्रेसी, विश्व गुरु, युद्ध रुकवा दिया और केवल रूस-यूक्रेन ही नहीं इजराइल और फिलिस्तीन के युद्ध के लिए भी ऐसा ही दावा किया था। खुद प्रधानमंत्री ने ही कहा कि रमजान में हमने इजराइल से कह दिया कि हमले नहीं होना चाहिए। वह भारत, रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास अपने सुरक्षा सलाहकार को भेज कर कह रहा है कि वैसे तो खुद प्रधानमंत्री मोदी आकर सफाई देना चाहते थे। मगर अभी उन्होंने मुझे भेजा है कि मैं आपको बता सकूं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात में दो लोग उनके साथ और एक मैं अपने प्रधानमंत्री के साथ था। इससे पहले पुतिन मोदी से फोन पर सफाई ले चुके थे। डोभाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आपको फोन पर बताया और खुद आकर भी बताएंगे।क्या है यह? क्या भारत कभी इतना कमजोर था? एक देश से हुई बात को दूसरे देश को बता रहा है! मोहल्ले और गांव के झगड़ों की तरह। एक दबंग से कह रहा है नहीं-नहीं हम उससे इसलिए नहीं मिले थे। यह नहीं कहा था। यह बात नहीं हुई !और वीडियो में पुतिन का स्टाइल देखिए! कैसे हेडमास्टर की तरह बैठे हुए हैं और डोभाल के बारे में आप खुद फैसला कीजिए कि किस तरह एक डरा और सहमा बच्चा बैठा हुआ है। यह अविभाजित सोवियत रूस नहीं है। यह दुनिया का ठेकेदार बनने वाला अमेरिका भी नहीं है। एक कमजोर युद्ध में उलझा हुआ देश है। रूस अब पहले की तरह महाशक्ति नहीं है। दुनिया का दूसरा ध्रुव।और जब थे। दोनों महाशक्ति अमेरिका और सोवियत रूस तब इन्दिरा गांधी जिन पर अभी शनिवार को ही हरियाणा में फिर कीचड़ उछालकर आए हैं, उन्होंने कभी भारत की सम्प्रभुता सम्मान से समझौता नहीं किया। सवाल ही नहीं उल्टा, अमेरिका को चुनौती दी। खूब खरी-खोटी सुनाई। यहां तक कहा 1971 में। कहा- सातवां बेड़ा नहीं, आठवां भी भेज दो पाकिस्तान अब दो टुकड़े होकर ही रहेगा। विदेश विभाग में तो परंपराएं, इतिहास, रिकार्ड चलता है ना! जयशंकर तो फॉरेन सर्विसेस के आफिसर रहे हैं। विदेश सचिव के स्तर तक। अब मोदी के विदेश मंत्री हैं। उन्हीं से बुलाकर पूछ लें कि इन्दिरा गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन को कैसी खरी-खरी सुनाई थीं। और यह भी पूछ लें कि सोवियत रूस से कैसे अपनी शर्तों पर बीस साला मैत्री संधि की थी। बता दें कि जयशंकर दोनों जगह मास्को और वाशिंगटन तैनात रहे हैं। भारत के रुआब से वाकिफ।दस साल सरकार चलाते हो गए। मगर अपनी कोई बात बताने के बदले अभी भी नेहरू, इन्दिरा, राजीव गांधी को कोस रहे हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां दस साल से उनकी सरकार है। केन्द्र में तो इससे कुछ महीने ज्यादा की है। तो वहां चुनाव प्रचार करने गए तो बताना चाहिए था दोनों जगह दस-दस साल सरकार होने से जनता को क्या क्या मिला? मगर बताने को कुछ है नहीं। तो नेहरू, इन्दिरा कांग्रेस को गालियां। हरियाणा की जनता इस बार बता देगी कि उसे बेवकूफ समझने का क्या परिणाम होता है। वैसे भी कुरुक्षेत्र जहां प्रधानमंत्री गए थे लोग उन्हें सुनने बहुत कम आए। प्रधानमंत्री के लिए प्रथम ग्रासे मक्षिका पात हो गया। लोकसभा चुनाव के बाद पहली चुनावी रैली में लोग ही नदारद थे।

जो भीड़ मोदी की लोकप्रियता का पैमाना हुआ करती थीं। वह न कुरुक्षेत्र में थी और न जम्मू कश्मीर के डोडा में।खैर भारत में कई प्रधानमंत्री हुए हैं। देश को लेकर उनकी नीतियों की यहां खूब चचाएं और हिसाब हुए हैं। मगर कमजोर से कमजोर प्रधानमंत्री ने भी कभी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को किसी विदेशी राष्ट्र प्रमुख के सामने सिर झुकाकर सफाइयां देने नहीं भेजा। कोई छोटा राष्ट्र भी ऐसा नहीं करता है। किसी भी देश के लिए उसकी संप्रभुता सबसे बड़ी चीज होती है नेहरू की विदेश नीति तक पर सवाल खड़ा करते हैं। उनके आज तक प्रासंगिक गुट निरपेक्ष आंदोलन का मजाक उड़ाते हैं और खुद विश्व गुरु होने के हसीन सपने में रुस और यूक्रेन दोनों जगह पहुंचकर गले मिलने, कंधे पर हाथ रखने, पीठ पर हाथ मारने जैसे कैमरे के लिए पोज देते हैं वह बैक फायर कर देता है। विदेश नीति कोई देश में भक्तों को, मीडिया को बेवकूफ बनाने जैसी नहीं होती है। सारे विदेश विभाग के अफसर जानते हैं। कभी-कभी बोल भी देते हैं।जैसे विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा था रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा और खुद प्रधानमंत्री के कहने के बाद कि नहीं रुस यूक्रेन युद्ध रुकवाने के दावे निराधार हैं। ऐसा कुछ नहीं हुआ था।वह तो शुक्र है रुस की न्यूज एजेन्सी स्पूतनिक ने डोभाल के वीडियो का थोड़ा सा हिस्सा ही डाला। रूस पुराना दोस्त है हमारा। नेहरू-इन्दिरा का सम्मान करने वाला। जानता है कि किसी एक व्यक्ति के विश्व गुरु बनने के दावों की सजा पूरे देश को और उस देश के अन्तरराष्ट्रीय सम्मान को नहीं दी जा सकती।हालांकि वीडियो का इतना हिस्सा डालना भी अच्छी बात नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी को कड़ा विरोध करना चाहिए था। मगर क्या उन्होंने किया? नहीं! वीडियो के आने के बाद वे नेहरू, इन्दिरा, राजीव, राहुल, कांग्रेस का विरोध करने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर पहुंच गए। सारे आरोप लगा दिए।

भारत में कई प्रधानमंत्री हुए हैं। देश को लेकर उनकी नीतियों की यहां खूब चचाएं और हिसाब हुए हैं। मगर कमजोर से कमजोर प्रधानमंत्री ने भी कभी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को किसी विदेशी राष्ट्र प्रमुख के सामने सिर झुकाकर सफाइयां देने नहीं भेजा। कोई छोटा राष्ट्र भी ऐसा नहीं करता है। किसी भी देश के लिए उसकी संप्रभुता सबसे बड़ी चीज होती है।

पहली अक्टूबर से शुरू होगी मोटे अनाज की खरीद

लखनऊ, संवाददाता।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024-25 के लिए मोटे अनाजों की खरीद पहली अक्टूबर से प्रारंभ होगी और 31 दिसंबर तक चलेगी। अधिकृत सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मोटे अनाज में शामिल मक्का, बाजरा व ज्वार की खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण व नवीनीकरण चल रहा है। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक इसके लिए किसानों को एफसीएस. यूपी.जीओवी.इन या ऐप यूपी किसान मित्र पर पंजीकरण/नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। खरीद पंजीकृत किसानों से ही की जाएगी। किसान अपनी किसी भी समस्या के लिए पूर्व में जारी टोल फ्री नंबर 18001800150 से मदद ले सकते हैं। इसके अलावा वे जिला खाद्य विपणन अधिकारी, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, विपणन निरीक्षक से भी संपर्क साध सकते हैं। किसानों को जिस बैंक खाते में भुगतान होगा, उसका आधार से जुड़ा होना आवश्यक है। भुगतान सीधे किसानों के बैंक खाते में किया जाएगा। वहीं बिचौलियों को रोकने व पारदर्शिता बरतते हुए क्रय केंद्रों पर मोटे अनाज की खरीद ई-पॉप (इलेक्ट्रॉनिक प्वॉइंट ऑफ परचेज) डिवाइस के माध्यम से पहले की भांति किसानों का बायोमीट्रिक सत्यापन के जरिए ही होगी।

श्रीअन्न को बढ़ावा देने के साथ ही सरकार ने इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाया है। मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2225 रुपये प्रति कुंतल, बाजरा का 2625 रुपये प्रति कुंतल, ज्वार (हाइब्रिड) का 3371 व ज्वार (मालवांडी) का 3421 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है।

सैनिक के तौर पर देश की सेवा कर गौरवान्वित महसूस करता हूं: मिश्रा

प्रतापगढ़, संवाददाता।

केंद्र शासित प्रदेश लेह लद्दाख के उप राज्यपाल ब्रिगेडियर डा बीडी मिश्रा ने सोमवार को कहा कि एक सैनिक के तौर पर देश की सरहदों की रक्षा कर वह खुद को भाग्यवान समझते हैं।भगवानदीन दुबे इंटर कालेज पहाड़पुर के संस्थापक स्वर्गीय भगवान दीन दुबे के 126वें जन्मदिन के मौके पर एक समारोह को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि 1962 में जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया था तो उस समय वह एक सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे थे जबकि 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर आक्रमण किया तो उस समय अपनी पल्टन में कम्पनी कमाण्डर थे और उनकी पल्टन पाकिस्तान की सीमा के 25 किमी अंदर चली गयी थी। 1971 में बंगलादेश में जो मुख्य वाहिनी बनी थी जो कि पाकिस्तानियों के खिलाफ लड़ रही थी उसका नेतृत्व वह कर रहे थे।उन्होने उपस्थित छात्र-छात्राओं से कहा कि ईश्वर ने जो हमें शरीर दिया है उसे हम समाज की सेवा के लिये समर्पित करें, सभी छात्र-छात्रायें कड़ी मेहनत और लगन से अच्छी शिक्षा प्राप्त करें। उप राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के सबसे बड़े लीडर है, बिना किसी भेदभाव के सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास के साथ कार्य कर रहे हैं।

18वीं शताब्दी तक भारत था दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: दूबे

गोरखपुर, संवाददाता।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में अर्थशास्त्र के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. अमरेश दूबे ने कहा कि भारत 18वीं शताब्दी तक विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति था और अब उसी स्थिति को पुनर्प्राप्त करने की चुनौती है।

प्रो. दूबे सोमवार को यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा आर्थिक स्थिति में हम पहले पायदान पर थे और पुनः पहले स्थान पर ही आना है। आजादी के बाद दशकों तक गरीबी और भुखमरी की चपेट में रहने के बाद देश बीते दस सालों से उसी रोडमैप पर आगे बढ़ चला है जिससे वह पहली शताब्दी से लेकर अठारहवीं शताब्दी तक विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत के रूप में प्रतिष्ठित था।

उन्होंने दो हजार वर्षों की विश्व की अर्थव्यवस्था को लेकर हुए एक शोध का हवाला देते हुए बताया कि पहली शताब्दी में आठ.नौ देशों के पास विश्व की 70 प्रतिशत संपदा पर अधिकार था। इसमें भारत का हिस्सा अकेले 35 प्रतिशत था जबकि चीन की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी तबसे लेकर अठारहवीं शताब्दी के अंत तक यही स्थिति बनी रही। अर्थात हम पहली आर्थिक शक्ति थे इसलिए आज बात तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति पर करने की बजाय चर्चा इस पर होनी चाहिए कि हम अपनी पहले नम्बर की स्थिति को कैसे दोबारा प्राप्त करें।

प्रो. दूबे ने कहा कि औद्योगिक क्रांति के दौर में अंग्रेजी शासन में उत्पादन प्रक्रिया को तीव्रतम करने के लिए भारत की संपदा को बाहर भेजना शुरू किया। दूसरा आजादी मिलने के बाद भी भारत में सोवियत यूनियन की तर्ज पर वामपंथी आर्थिक नीति का अनुसरण होने लगा। कालांतर में इसका प्रभाव यह हुआ आजादी मिलने के बाद भी 1970 में विश्व स्तर पर संपदा के मामले में भारत की हिस्सेदारी महज 2.5 प्रतिशत रह गई। उन्होंने कहा कि 1947 में जब भारत आजाद हुआ तो इसकी गिनती दुनिया के सबसे गरीब देशों में थी जबकि एक अंग्रेज विद्वान ने अपने अध्ययन में कहा था कि अठारहवीं शताब्दी में अविभाजित भारत के मुर्शिदाबाद का एक सामान्य व्यक्ति रहन.सहन और खाने.पीने के मामले में लंदन के सामान्य व्यक्ति से अधिक संपन्न था। प्रो दूबे ने कहा कि 1947 में जब देश आजाद हुआ तो विश्वेश्वरैया जी के नेतृत्व में आर्थिक पुनर्निर्माण, गरीबी और भुखमरी से मुक्ति के लिए नेशनल डेवलपमेंट कमेटी का गठन किया गया लेकिन 1950 में गणराज्य बनने के बाद देश में इस कमेटी की अनुशंसाओं को दरकिनार कर सोवियत यूनियन वाली प्लानिंग को अपनाया जाना शुरू कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि गरीबी पर कुछ असर नहीं पड़ा। गरीबी हटाओ का नारा तो दिया गया लेकिन देश में आर्थिक संपदा बढ़ाने पर ध्यान नहीं दिया गया जबकि यह तथ्यपूर्ण सत्य है कि बिना संपदा बढ़ाए गरीबी नहीं हटाई जा सकती।

उन्होने आजादी के बाद से अब तक की आर्थिकी का विश्लेषण करते हुए कहा कि 2013 तक अर्थव्यवस्था के मामले में उतार चढ़ाव के बीच पॉलिसी पैरालिसिस वाली स्थिति रही पर 2014 से पिछले दस सालों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आर्थिक संपदा बढ़ाने और गरीबी हटाने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समावेशी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिस देश में 1974 में गरीबी 55 से 65 प्रतिशत तक रही हो वहां के लोग अब गर्व कर सकते हैं कि भारत मे 2023 में गरीबी एक प्रतिशत से भी नीचे रह गई है। प्रो दूबे ने कहा कि देश की आबादी के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान है। बीते सात सालों से यहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ ही विकास के जो समावेशी प्रयास किए हैं। इससे यह तय हो गया है कि देश की अर्थव्यवस्था को पुराना गौरव दिलाने में सबसे बड़ी भूमिका योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश ही निभाने जा रहा है।

खास खबर

तीन डकैतों के करीबियों को उठाया, कई जगह दीं दबिशें

बांगरमऊ। पंचूपुरवा गांव में ट्रांसपोर्टर के घर हुई 21.50 लाख की डकैती में दो डकैतों को जेल भेजने के बाद अन्य के नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए कई जगह दबिशें दीं। पुलिस ने तीन डकैतों के करीबियों को उठाया है। पीड़ित परिवार के घर पर पुलिस तैनात की गई है।कोतवाली क्षेत्र के गांव पंचूपुरवा निवासी ट्रांसपोर्टर प्रियांशु गुप्ता के घर में 13 सितंबर की रात हुई 21.50 लाख की लूट की घटना में भीड़ के हत्थे चढ़े दो डकैतों अंशू पाल और अभिषेक की हालत में सुधार होने के बाद दोनों को पुलिस ने जेल भेजा है।

16 खाद्य पदार्थों में मिलावट पर 3.60 लाख का जुमार्ना

उन्नाव। दूध और उससे बनी खाद्य वस्तुओं में दुकानदार मानकों का पालन नहीं कर रहे। ऐसे ही 16 मामलों में एडीएम वित्त राजस्व की कोर्ट ने मिलावट करने वालों पर 3.60 लाख का जुमार्ना लगाया है। दुकानदारों को 30 दिन में जुमार्ना जमा करने के आदेश दिए गए हैं।खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इस साल की शुरूआत में विशेष चेकिंग अभियान चलाया था। इस दौरान दूध, दही, छेना, खोया, पनीर व कुकीज खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच के बाद प्रयोगशाला द्वारा जो रिपोर्ट भेजी गई उसमें सभी नमूने विभाग की गाइडलाइन पर खरे नहीं उतरे। रिपोर्ट के आधार पर यह मामले एडीएम वित्त राजस्व कोर्ट में दाखिल किए गए।इन वादों की सुनवाई करते हुए एडीएम वित्त राजस्व नरेंद्र सिंह ने 16 मामलों में दुकानदारों पर 3.60 लाख रुपये का जुमार्ना ठोंका।इसमें सबसे ज्यादा मिश्रित दूध (गाय, भैंस) में पानी की ज्यादा मिलावट पाए जाने पर बिक्री करने वाले अनूप यादव निवासी मोहम्मदपुर चकसुनौरा औरास पर 70 हजार और कृष्णानगर के कार्तिक्य पर 50 हजार का जुमार्ना लगाया गया है।

महिला का फंदे से लटका मिला शव, हत्या का आरोप

बीघापुर। महिला का शव घर में फंदे से लटका मिला। मृतका के पिता ने दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही है। बिहार थानाक्षेत्र की गौरा गांव निवासी दीपक कुशवाहा की पत्नी सोनाली (19) का शव रविवार सुबह करीब नौ बजे घर में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंचे रायबरेली जिले के थाना खीरो के दोकनहा निवासी पिता दिनेश कुमार ने ससुरालियों पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया।पिता ने बताया कि सोनाली का विवाह दिसंबर 2023 में दीपक से किया था।

हजरत मोहम्मद साहब की पैदाइश के मौके जुलूस ए मोहम्मदी शान ओ शौकत निकाला गया

सत्ता सकेंत संवादाता।

शुक्लागंज। गंगाघाट हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश के मौके पर में बारहवीं शरीफ के त्यौहार हुजूर मुहम्मद सल्लाहो अल्हे वसल्लम के यौमे पैदाइश के पर्व को हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश के पर्व पर बीती रात्रि को हर जगह झंडे और रोशनी का इंतिजाम मुस्लिम बहुल इलाकों को सजा-संवार कर. जगह-जगह इस्लामी झंडे लगाये गये हैं.तो वहीं मस्जिदों और आस-पास के इलाकों में आकर्षक लाइटिंग की गयी है। गंगाघाट में जुलूस ए मोहम्मदी नगर गोताखोर कर्बला चंपापुरवा मनोहर नगर रहमत नगर अहमद नगर गंगानगर इस्लामनगर श्रीनगर कॉलोनी मदनी नगर करीमुल्ला कॉलोनी गांधीनगर रसीद कॉलोनी सहित नगर के तमाम मोहल्ले से निकलकर राजधानी मार्ग पर आया जहां पर अंजुमन गुलाम आने ए रसूल कमेटी मदनी नगर , सिएट एजेंसी के शहाबुद्दीन,ने जुलूस का स्वागत करने के दौरान नगर के वरिष्ठ पत्रकार साथियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम भी किया जहां पर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हरिओम को सम्मानित किया गया। राजधानी मार्ग पर जुलूस का इस्तकबाल करते हुए लोगों ने शरबत कोल्ड ड्रिंक छबील मिठाई फल सहित अन्य चीजों का वितरण किया जिसमें मुख्य रूप से आदिल अयाज दानिश इमरान रौनक सोहेल अलीम खान अमन आदि समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आज सोमवार को सब्जी मंडी जामा मस्जिद मौलाना शमीम अहमद बरकाती व अन्य उलमाओं

के अगुवाई में विभिन्न इलाकों से दोपहर सुबह 11 बजे जुलूस ए मोहम्मदी होकर निकाला गया। अपराह्न 5:00 बजे जुलूस मोहम्मदी का समापन हुआ। हाफिज गुलाम मोहम्मद ने बताया है कि इस्लाम तलवार की नोक पर फैला है और किस तलवार ने मजबूर किया था वो मोहब्बत की तलवार थी जो मुसलमान मान रहा है। दुनिया में तमाम पैगंबर आए तमाम रहबर आए सिवाय एक नबी मोहम्मद सल्लल्लाहो अलेही वसल्लम ने वो तालीम दी जो मिशाल ही नही बेमिशाल है जो हर मोमिन के लिए इस्लाम हमारे पैगंबर ने दिया। किसी मजहब में ये नहीं पाया जाता है इस्लाम मुहब्बत का पैगाम देता है। बल्कि इस्लाम गरीबों पर अपनी शिद्धते ला रहा है आज जो लोग इस्लाम से नफरत कर रहे हैं नफरत फैलाने वालो कान खोलकर सुन लो इतिहास उठा के देख लो तारीख गवाह है नबी के दुनिया में आने से पहले बड़े-बड़े राहुशाह बड़े-बड़े जुल्म करने वाले दौलत वाले छोटे-छोटे तबके पर जुल्मों सितम ढाने वाले नंगा नाच करते थे। जब इस्लाम आया इन छोटे तबकों को ऊपर उठने की कोशिश की और नंगा नाच खत्म करने की कोशिश की तब जो लोग जुल्म किया करते थे उनके अंदर खलबली पैदा हो गई तो इस्लाम बुराइयों को खत्म कर रहा है। और हमारे जुल्मों सितम को खत्म कर रहा है। इस्लाम हर तरफ अमन का बोल वाला चाहता है आतंकवाद को मिटाना चाहता है। जुल्म फरवियत को खत्म करना चाहता है यही पैगाम मेरे पैगंबर ने दिया है मुसलमान आज तक अपने पैगंबर की पैदाइश को नहीं भुला पाया है। जुलूस ए मुहम्मदी को नगर के गलीकुचे व सड़कों पर बड़ी शान से निकाला गया .

पेज 1 का शेष

नमो भारत रैपिड....

चौगुनाकरण, एएमसी, अहमदाबाद में प्रमुख सड़कों का विकास और बकरोल, हाथीजन, रामोल और पंजरपोल जंक्शन पर फ्लाईओवर पुलों का निर्माण शामिल है।प्रधानमंत्री ने 30 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र, कच्छ लिग्नाइट तापविद्युत संयंत्र, कच्छ में 35 मेगावाट बीईएसएस सौर पीवी परियोजना और मोरबी और राजकोट में 220 किलोवोल्ट सबस्टेशन का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के सिंगल विंडो आईटी सिस्टम का शुभारंभ किया जिसे वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 30 हजार से अधिक घरों को मंजूरी दी और इन घरों के लिए पहली किस्त जारी की, साथ ही पीएमएवाई योजना के तहत घरों के निर्माण का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य के लाभार्थियों को पीएमएवाई के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के तहत पूर्ण मकान भी सौंपे।श्री मोदी ने वीडियो लिंक के जरिए भुज से अहमदाबाद तक नमो भारत रैपिड रेल के अलावा नागपुर - सिकंदराबाद, कोल्हापुर - पुणे, आगरा छावनी - बनारस, दुर्ग-विशाखापट्टनम, पुणे-हुब्बली वंदे भारत ट्रेनों के साथ ही वाराणसी से दिल्ली तक पहली 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन सेट को भी हरी झंडी दिखाई। भुज से शाम चार बजकर 20 मिनट पर नमो भारत रैपिड रेल रवाना हुई जिसे रविवार तक वंदे मेट्रो रेल के नाम से जाना जाता था। भुज स्टेशन पर स्थानीय जनता की भीड़ उमड़ पड़ी थी।श्री मोदी ने इस मौके पर अहमदाबाद में जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आज गुजरात के गौरव में एक और सितारा जुड़ा है। आज नमो भारत रैपिड रेल भी शुरू हुई है। ये भारत की शहरी कनेक्टिविटी में एक और मील का पत्थर सिद्ध होने वाली है। आज गुजरात के हजारों परिवार अपने नए घर में प्रवेश भी कर रहे हैं। आज हजारों परिवारों को उनके पक्के घर की पहली किस्त भी जारी हुई है।

जम्मू-कश्मीर में दो प्रधान....

न पनपे।उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला पर तीखा हमला करते हुए कहा,जब किश्तवाड़ में खून-खराबा अपने चरम पर था, तब वह कहां थे।ह्व उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा,ह्वअगर वह यहां आते हैं तो उनसे पूछा जाना चाहिए। लेकिन मुझे पता है कि वह उस समय कहां थे। वह लंदन के समुद्र तटों पर मौज-मस्ती कर रहे थे।ह्व उन्होंने कहा कि नेकां-कांग्रेस गठबंधन ने हमेशा से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद के लिए आधार तैयार किया है। उन्होंने कहा,ह्वइन पार्टियों ने महाराजा हरि सिंह को जम्मू-कश्मीर से खदेड़ दिया। बाद में, केवल उनका पार्थिव शरीर ही जम्मू-कश्मीर लौट सका। ये पार्टियां 1990 में कश्मीरी पंडितों के सामूहिक पलायन के लिए भी जिम्मेदार हैं।छह सितंबर के बाद से अपने दूसरे दौरे पर जम्मू पहुंचे श्री शाह ने कहा कि ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) और विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को नवीनतम हथियारों और शक्तियों से लैस किया गया है। उन्होंने कहा,यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शांति भंग करने के लिए यहां आने वाले घुसपैठियों को पहाड़ों में ही दफनाया जाए और उन्हें अंदरूनी इलाकों में प्रवेश न करने दिया जाए। किसी को भी आतंकवाद के लिए भारतीय धरती का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 के लिए कोई जगह नहीं है।

यूपी में बाढ़ का.....

के दूषित जलभराव के कारण नारकीय होता जा रहा है। एक ओर ग्रामीणों के खेत जलसमाहित होने के कारण बर्बाद हो रहे है वहीं मवेशियों को चारे की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गयी है। अधिकांश गांवों में अत्यधिक जल जमाव के कारण सरकारी व निजी विद्यालयों में पठन- पाठन कार्य ठप होने से नौनिहालोंको अध्ययन संग मध्यान भोजन में भी कठिनाई होने लगी है ' कई गांवों का जलभराव के कारण मुख्य मार्गों से संपर्क कट जाने के कारण उनका आवागमन बाधित है।प्रत्येक वर्ष बाढ़ का दंश झेलने वाले तटवर्ती व निचले भागों में बसे गांवों के परिवार इस बार भी त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहे है। इसके अतिरिक्त गांवों में भरे बाढ़ के दूषित जल से बहकर आये विषैले जंतुओं से दंश का खतरा बाढ़ प्रभावितों को दिन रात सता रहा है।अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने सोमवार को बताया कि,एल्गिन ब्रिज पर घाघरा लाल निशान से करीब 83 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। घाघरा नदी में लगभग तीन लाख बाइस हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो रहा है। जिले के कुल पच्चीस गांव बाढ़ प्रभावित है ' इनमें दस नदियों के समीपवर्ती गांव अतिप्रभावित है।

पूर्वजों की आत्मा की मुक्ति-शांति.....

समय महत्वपूर्ण माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस महीनें में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान से पितरों को मोक्ष मिलता है। मान्यता है कि श्राद्ध कर्म करने से जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और वंश वृद्धि का आशीष प्राप्त होता है। हर साल पितृपक्ष में पूर्वज पितृलोक से धरती लोक पर आते हैं और श्राद्ध मिलने पर प्रसन्न होकर स्वस्थ, चिरंजीवी, धनधान्यपूर्ण और परिवार के मंगल का आशीर्वाद देकर पितृ लोक को वापस जाते हैं।हिन्दू अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं और उनके लिए पिण्ड दान करते हैं। इसे 'सोलह श्राद्ध', 'महालय पक्ष', 'अपर पक्ष' आदि नामों से भी जाना जाता है। स्मृतियों एवं पुराणों में भी आत्मासंसरण संबंधी विश्वास पाए जाते हैं और इनमें भी पितृर्पण के लिए श्राद्ध संस्कारों की महत्ता परिलक्षित होती है। मृत्युपरांत पितृ-कल्याण-हेतु पहले दिन दस दान और अगले दस ग्यारह दिन तक अन्य दान दिए जाने चाहिए। इन्हीं दान की सहायता से मृतात्मा नई काया धारण करती है और अपने कमार्नुसार पुनरावृत्त होती है।पिंडदान की परंपरा केवल प्रयाग, काशी और गया में है, लेकिन पितरों के पिंडदान और श्राद्ध कर्म की शुरूआत प्रयाग में क्षौर कर्म से होती है। पितृपक्ष में हर साल बड़ी संख्या में लोग देश के कोने कोने से पिंण्ड दान के लिए संगम आते हैं। पितृ मुक्ति का प्रथम एवं मुख्य द्वार कहे जाने के कारण संगमनगरी में पिंडदान और श्राद्ध कर्म का विशेष महत्व है।धर्म शास्त्रों में भगवान विष्णु को मोक्ष के देवता माना जाता है। प्रयाग में भगवान विष्णु बारह भिन्न रूपों में विराजमान हैं। मान्यता है कि त्रिवेणी में भगवान विष्णु बाल मुकुंद स्वरूप में वास करते हैं। प्रयाग को पितृ मुक्ति का पहला और मुख्य द्वार माना जाता है।

जल विहार का हुआ आयोजन, पूरा वातावरण भक्तिमय हुआ

संवादाता उमेश द्विवेदी।

उन्नाव। पुरवा उन्नाव वामन द्वादशी पर पुरवा नगर के शीतलगंज स्थित पक्का तालाब पर जल विहार का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री कृष्ण को तालाब में नौका से विहार कराया। नौका विहार पर बाके बिहारी की झांकी देखने को भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार को वामन द्वादशी के मौके पर पुरवा नगर के कस्टोलवा ठाकुरद्वारा मन्दिर से डोल पर सवार होकर भगवान श्री कृष्ण की झांकी को शंख और घंटा बजाते हुए भारी संख्या में भक्त नगर के शीतल पक्का तालाब पहुंचे। यहां उन्हें नौका विहार कराते हुए प्रसाद लुटाया गया,सात परिक्रमा कराने के बाद आरती कर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान चेयरमैन रेनू गुप्ता, दिवाकर शुक्ला, आनंद शंकर शुक्ला, सभासद आलोक कुशवाहा, बेद प्रकाश त्रिवेदी,प्रदीप शुक्ला, प्रदीप बाजपेयी,संजय अवस्थी , नरोत्तम बाजपेयी, आयोजक अनुराग बाजपेई, संजू बाजपेई आदि मौजूद रहे।

शान -ओ- शौकत से निकाला गया झंडा मोहम्मदी का जुलूस

सिरौली गौसपुर बाराबंकी।

हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश के सिलसिले में कस्बा बदोसराय में अंजुमन - ए- सैदा- ए - मुस्तफा के द्वारा सरकार की आमद मरहबा ! दिलदार की आमद मरहबा ! आदि नारों के बीच जूलूस- ए - मोहम्मदी निकाला गया ।

जुलूस को संबोधित करते हुए हाफिज व कारी नजमुद्दीन कादरी ने कहा कि जब सारी दुनिया के अंदर इंसानियत का गला घोंटा जा रहा था बेटियों महिलाओं पर तरह-तरह के जुल्म किये जा रहे थे ऐसी विषम परिस्थितियों में 25 अप्रैल 571 ईस्वी में 12 रबी उल अव्वल को शहरे मक्का शरीफ के सरदार कुरेश हजरत मुत्तलिब के घर में सुबह आपकी पैदाइश हुई तभी से झंडा मोहम्मदी का जुलूस निकाले जाने की परंपरा चली आ रही है आपने पूरे जीवन भर इंसानियत की आवाज बुलंद किया जब तक सूरज चांद है तब तक आपकी यौमे पैदाइश अमर रहेगी ।अंजुमन- ए- सैदा- ए - मुस्तफा के द्वारा झंडा मोहम्मदी का जुलूस सूफी संत हजरत मलामत शाह की दरगाह से सुबह शुरू हुआ दिन भर गांव के गली कूचों से गुजरता हुआ देर शाम अपने गंतव्य स्थान पर जा करके समाप्त हो गया जगह-जगह पर पुष्प वर्षा माल्यार्पण व मिष्ठान वितरित करके अकीदत मंदो ने जुलूस- ए- मोहम्मदी का स्वागत किया ।

इस अवसर पर हाफिज मुस्ताक अब्दुल मतीन मिर्जा गुफरान बेग अब्दुल वारिस सादाब अंसारी मो शफीक मा लड्डन आसिफ अली मोहम्मद काशिफ कदीम आमिर नूरैन महमुदुल मोहम्मद यूनुस आरिफ अंसारी इमरान अंसारी इस्लामुद्दीन अब्दुल्ला आदि मौजूद रहे ।

योगी पर कहने से पहले अपने गिरेबान में झांक लें अखिलेश: चौधरी

लखनऊ, संवाददाता।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि श्री यादव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कुछ भी कहने से पहले अपनी गिरेबान में झांक लेते तो बेहतर होता।श्री चौधरी ने कहा योगी से बढ़कर भला किसने त्याग किया है। दुनिया जानती है कि योगी आदित्यनाथ अपने परिवार को त्यागकर संन्यासी बने थे। वे प्रदेश के 24 करोड़ वासियों को ही अपना परिवार मानते हैं और उनके सुख दुख की चिंता करते हैं। सपा की परिवारवादी विचारधारा स्वभाविक रूप से योगी जैसे त्यागी के तप और जतन को देखकर आहत होगी। उन्होंने कहा कि जिनका नारा ही खाली प्लॉट हमारा है रहा हो, वह भला क्या त्याग की बात कर पाएंगे। मुख्यमंत्री योगी एक संत हैं, उन्हें क्रोध नहीं आता है। मगर, मासूम जनता को आहत करने वाले लोगों को वे बख्शते भी नहीं है, बल्कि ऐसे तत्वों के समूल नाश का अध्याय लिख देते हैं। श्री चौधरी ने कहा कि सपा को बुल्डोजर से बड़ी दिक्कत है, होनी भी चाहिए। उन्हें बुल्डोजर केवल एक यंत्र दिखता होगा मगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए यह न्याय का और

विकास का प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुल्डोजर आम सामान्य लोगों को कोई परेशानी नहीं देता है, यह तो अराजक, असमाजिक और आपराधिक तत्वों के दिलों में दहशत बैठाने का माध्यम है।उन्होंने कहा कि सपा के चरित्र को कौन नहीं जानता, ये वही पार्टी है जो मोईद खान के मामले पर चुप्पी साध लेती है, जबकि इसके अगुआ मुख्तार अंसारी जैसे माफियाओं की कब्र पर फातिहा पढ़ने जाते हैं और किसी अपराधी का एनकाउंटर हो जाए तो फिर जातिगत समीकरण भिड़ाने में लग जाते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अपराधी तो अपराधी होता है, समाज के लिए कलंक से बढ़कर वह कुछ नहीं है। ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करने से ही अमन चैन और सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने यह भी कहा कि बुल्डोजर केवल माफियाओं, अपराधियों, दंगाइयों व अराजक तत्वों के खिलाफ ही चलता है। उन्होंने कहा माफियाओं द्वारा गरीब लोगों की छीनी गई जमीन पर बने स्ट्रक्चर्स को तोड़कर एक ओर उनका घमंड चूर चूर किया जाता है, वहीं दूसरी ओर कब्जे से खाली कराए गए इन भूखंडों पर गरीबों के लिए मकान बनाए जाते हैं। इसलिए, ये बुल्डोजर न्याय के साथ ही विकास का भी प्रतीक है और पूरे देश में यह एक मॉडल के तौर पर स्थापित हुआ है।

फतेहपुर में छात्रा की हत्या से आक्रोशित भीड़ ने किया चक्का जाम

फतेहपुर, संवाददाता।

उत्तर प्रदेश में फतेहपुर जिले के बिंदकी क्षेत्र में छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में सोमवार को भीड़ ने शव को कोतवाली के सामने रख कर प्रदर्शन किया और हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की।पुलिस सूत्रों ने बताया कि छात्रा के परिजनों के साथ स्थानीय ग्रामीणों ने शव को बिंदकी कोतवाली के सामने रखकर चक्का जाम कर दिया जिससे बिंदकी फतेहपुर, बिंदकी बांदा और बिंदकी फतेहपुर मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से रूक गया और सड़क पर वाहनों की कतारें लग गयी हैं।पुलिस के उच्चाधिकारी परिजनों और ग्रामीणों के समझाने में लगे हैं।उल्लेखनीय है कि बिंदकी थाना क्षेत्र के ग्राम पैगम्बरपुर निवासी स्वर्गीय दिलशाद की 14 वर्षीय बेटी अकसरा बिंदकी के नेहरू इंटर कालेज में कक्षा 10 में पढ़ती थी। रोज की तरह से शनिवार शाम को अकसरा कोचिंग पढ़ने गयी। जब देर शाम तक वापस नहीं आयी तो परिजनों ने तलाश शुरू की और पुलिस को सूचित किया।रविवार की सुबह बिंदकी थाना क्षेत्र के जफराबाद बाईपास के पास स्थित एक आम के बाग में अकसरा का शव मिला। अकसरा के सिर को पूरी तरह से कूंच दिया गया था। शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौकाने वाली बात सामने आई।

अरिजीत सिंह ने लंदन में एड शीरन के साथ किया परफॉर्म

लंदन, एजेंसी।

भारतीय सिनेमा के सुप्रसिद्ध गायक अरिजीत सिंह ने लंदन में प्रतिष्ठित पॉप सिंगर एड शीरन के साथ परफॉर्म किया है।अरिजीत ने इंस्टाग्राम पर अपने शो के लिए एड शीरन का आभार व्यक्त किया है।उन्होंने शो की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए पोस्ट को कैप्शन दिया, #लंदन, कल रात इतने शानदार तरीके से उपस्थित होने के लिए धन्यवाद। प्यार और आभार #अरिजीतसिंघलाइव #परफेक्ट पल के लिए को एड शीरन को धन्यवाद।गौरतलब है कि मार्च 2024 में एड भारत आए और अपने एशिया और यूरोप टूर 2024 के हिस्से के रूप में मुंबई में प्रदर्शन किया।

खास खबर

इराक में तीन आईएस आतंकवादी मारे गये

बगदाद। इराक के उत्तरी किरकुक शहर में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुयी मुठभेड़ में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के तीन आतंकवादी मारे गये है। किरकुक के पुलिस अधिकारी सलाम अल-ओबैदी ने सोमवार को शिन्हुआ को बताया कि बगदाद से लगभग 250 किलोमीटर दूर किरकुक में इराकी सुरक्षा बलों और मोटरसाइकिल पर विस्फोटक बेल्ट पहने दो आईएस आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें दो आतंकवादी मारे गये।पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में सुरक्षा बलों ने उसी इलाके में तीसरे आतंकवादी को भी ढेर कर दिया। मारा गया आतंकवादी भी विस्फोटक बेल्ट पहने हुए थे।

लेबनान के वजाली इलाके में गिरा इजरायली ड्रोन

बेरूत। दक्षिण-पूर्वी लेबनान के वजानी इलाके में एक इजरायली ड्रोन गिरा है।लेबनानी सैन्य सूत्रों के हवाले से रविवार को बताया कि ऐसा लगता है कि ड्रोन तकनीकी खराबी के कारण गिरा है।इससे पहले, ड्रोन के माध्यम से लेबनान के सीमावर्ती गांव वजानी और आसपास के इलाकों में पर्चे गिराए गए, जिसमें निवासियों से खियाम शहर के उत्तर में खाली होने का आह्वान किया गया। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के मीडिया कार्यालय के अनुसार, उसे इजरायली सेना द्वारा सूचित किया गया था कि ब्रिगेडियर जनरल के आदेश के तहत लेबनानी क्षेत्रों में पर्चे गिराये गए। यूएनआईएफआईएल के मुताबिक, इजरायली सेना घटना की जांच कर रही है। यह घटना तब हुई जब इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को सुझाव दिया कि इजरायल लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ अपनी कार्रवाई बढ़ा सकता है।

बंगलादेश में संरचात्मक सुधारों में मदद करेगा एडीबी

ढाका। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने कहा है कि वह बंगलादेश में महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों के लिए अंतरिम सरकार के प्रयासों में मदद करेगा। मनीला स्थित इस ऋणदाता ने संकटग्रस्त दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्था की मदद करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। एडीबी के दक्षिण एशिया महानिदेशक टेको कोनिशी के नेतृत्व में एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को ढाका में अंतरिम बंगलादेशी सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की थी। एडीबी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बैंक का बंगलादेश में काम करने का लंबा इतिहास रहा है और वह देश में महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को शुरू करने के लिए अंतरिम सरकार का समर्थन करने के लिए उत्सुक होगा।

चाहे नॉर्मल डिलीवरी हो या सी सेक्शन महिलाएं दोनों ही सूरतों में कमजोरी महसूस करती हैं। मगर सी सेक्शन वाली महिलाओं को ऐसे में ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

नई दिल्ली। एक औरत के लिए बच्चे को जन्म देना जितना सुखद अहसास है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। महिलाएं चाहती हैं कि वह बच्चे को नॉर्मल तरीके से जन्म दें, ताकि अपना और अपने बच्चे का ध्यान रखने के साथ वह अपनी जल्दी रिकवरी के लिए पूरक पोषण आहार ले सकें। लेकिन कुछ कारणों से सी सेक्शन मजबूरी बन जाता है। भ्रम है कि सी सेक्शन डिलीवरी के बाद महिलाएं पूरक पोषण आहार नहीं ले पाती।

बता दें कि वर्तमान समय में ज्यादा महिलाएं सी सेक्शन से ही बच्चों को जन्म देती हैं इसके पीछे तेजी से बदलता लाइफ स्टाइल भी जिम्मेदार है। सी सेक्शन के बाद महिलाएं क्या खाएं और क्या ना खाएं इसको लेकर बहुत सारे भ्रम है। इन्हीं सवालों के जवाब तलाशने के लिए न्यूट्रीशनिस्ट एंड लाइफस्टाइल एजुकेटर डॉ. निधि चौधरी से बात की गई। सी सेक्शन डिलीवरी के बाद डाइट के बारे में बात करते हुए डॉक्टर ने कहा, आपका आहार आपकी क्षमता के स्तर पर निर्भर करता है। आप कितने एक्टिव हैं, यह डाइट चुनने में काफी मदद करता है। डिलीवरी के पहले हफ्ते में महिलाओं की मूवमेंट न के बराबर होती है ऐसे में उनको लिक्विड डाइट पर ही रखना चाहिए।

ऐसे में आप उन्हें पतली खिचड़ी, दलिया और दाल दे सकते हैं। इसमें दूध के साथ एक कटोरी पंजीरी भी ली जा सकती है। इसके अलावा गोंद का लड्डू (कम मात्रा में) भी खा सकते हैं। डॉक्टर निधि ने बतायाा, चाहे नॉर्मल डिलीवरी हो या सी सेक्शन महिलाएं दोनों ही सूरतों में कमजोरी महसूस करती हैं। मगर सी सेक्शन वाली महिलाओं को ऐसे में ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। सर्जरी की वजह से वह ज्यादा कमजोरी महसूस करती हैं, वह ज्यादा चल-फिर नहीं पाती, पेट की मसल्स की कमजोरी का सारा दबाव उनकी पीठ की मांसपेशियों पर पड़ता है, जिसकी वजह से उन्हें कमर में दर्द की समस्या बनी रहती है। वह कहती हैं सी सेक्शन की वजह से दिक्कतें पैदा होती हैं। कहती हैं, सर्जरी महिलाओं का मेटाबॉलिज्म बिगाड़ कर रख देती है। ऐसे में पूर्ण पोषण आहार महिलाओं की जल्दी रिकवरी करने में मदद करता है। पोस्ट डिलीवरी इन्फेक्शन से बचने के लिए भी एक बेहतर डाइट बहुत अच्छा काम करती है। एक बेहतर आहार महिलाओं को एनर्जी तो देता ही है साथ ही उन्हें जल्दी रिकवरी करने में भी मदद करता है, जिससे महिलाएं अपना और अपने बच्चे पर अच्छे से ध्यान दे सकती हैं। स्तनपान कराने वाली महिलाओं के बारे में बात करते हुए डॉक्टर निधि ने कहा, बेहतर डाइट माताओं को स्तनपान कराने में भी मदद करती है जिससे बच्चे को पूर्ण पोषण मिलता है, ऐसे में फाइबर और प्रोटीन आधारित डाइट आपको कब्ज से भी राहत देती है। ऐसे में कब्ज होना आम बात है अगर इसे खत्म नहीं किया जाए तो यह डिलीवरी के बाद वजन बढ़ा सकती है। डॉक्टर निधि ने आगे बताया, डिलीवरी के बाद 40 दिन काफी महत्वपूर्ण होते हैं अगर ऐसे में आप वह चीजें लेते हैं जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचाती है, तो इससे आपकी रिकवरी देरी से होगी। निधि ने ज्यादा मसालेदार भोजन न लेने की सलाह दी है,ऐसे भोजन से महिलाओं को ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है।

सी सेक्शन ही तो है फिर खाने से कैसा परहेज!

दही, घी सब कुछ खाएं

मानसिक स्वास्थ पर असर पड़ रहा है, खबर अफवाह है: पलक सिधवानी

मंडी, एजेंसी।

टेलीविजन का पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा बीते लंबे समय से विवादों में है। बीते कुछ महीनों में शो के एक्टर्स ने प्रोड्यूसर असित मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए शो छोड़ दिया है। इस बीच खबर है कि शो में सोनू भिड़े का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस पलक सिधवानी के खिलाफ शो के मेकर्स लीगल एक्शन ले रहे हैं। हालांकि इन खबरों के बीच अब एक्ट्रेस ने कहा है कि इन सबसे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। बता दें कि पलक सिधवानी पर आरोप है कि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट के अहम रूल को तोड़ा है। उन्होंने थर्ड पार्टी एंडोर्समेंट किया है, जो उनके कॉन्ट्रैक्ट के खिलाफ है, इसके चलते तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के मेकर्स ने उन्हें लीगल नोटिस भेजा है और जल्द ही उनके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा। अब एक्ट्रेस पलक सिधवानी ने इन खबरों को अफवाह बताया है। एक्ट्रेस ने मनी कंट्रोल डॉट कॉम को दिए एक इंटरव्यू में कहा है, ये अफवाह है, मैंने कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं तोड़ा है। कल शो की शूटिंग है, मेरी सुबह 4 बजे की शिफ्ट है। साथ ही मुझे कोई कानूनी नोटिस नहीं मिला है। आगे एक्ट्रेस ने कहा है, मैंने मेकर्स को इस बारे में बताया है, जो कल रात से फैल रही है। मैंने ये भी बताया है कि इससे मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, जबकि मैं शो के लिए बैक-टु-बैक शूटिंग कर रही हूं।मैंने उनसे जल्द-से-जल्द इस बात पर गौर करने और ये गलतफहमी दूर करने का अनुरोध किया है। मैं भी इस बारे में पता लगा रही हूं। ये बेहद तनावपूर्ण है, लेकिन सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी।

तारक मेहता एक्ट्रेस के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे मेकर्स!

दो महीने में ट्रंप की हत्या की दूसरी कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के फ्लोरिडा गोल्फ क्लब में पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कथित तौर पर दूसरी बार कोशिश की गयी है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन (एफबीआई) इस मामले की जांच कर रहा है। यह दो महीने में श्री ट्रंप की हत्या की दूसरी कोशिश है।सोमवार को मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। घटना के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। श्री ट्रंप पर पहला हमला उनके प्रचार अभियान के दौरान किया गया था, जिसमें वह सुरक्षित बच गये थे।तीन कानून प्रवर्तन सूत्रों के अनुसार, श्री ट्रंप की हत्या के प्रयास के संबंध में हिरासत में लिया गया व्यक्ति रयान वेस्ले राउथ है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार पाम बीच काउंटी के शेरिफ रिक ब्रैडशॉ ने रविवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि उनके कार्यालय को दोपहर बाद 1.30 बजे सूचना मिली कि ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब के दायरे में झाड़ियों में रायफल लिए हुए एक व्यक्ति पर सीक्रेट सर्विस ने गोली चलाई। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि उस समय श्री ट्रंप गोल्फ खेल रहे थे।श्री ब्रैडशॉ ने बताया कि सीक्रेट सर्विस एजेंट ने गोल्फ कोर्स की बाड़ से बाहर निकली एक राइफल बैरल देखी और तुरंत उस व्यक्ति से भिड़ गया। उन्होंने बताया कि जिस एजेंट ने राइफल देखी, वह उस टीम का हिस्सा है जो गोल्फ कोर्स पर श्री ट्रंप से एक या दो होल आगे रहती है।

रिपोर्ट के अनुसार हमलावर श्री ट्रंप से 300 से 500 गज की दूरी पर था। अधिकारियों ने कहा कि एक एके-47 स्टाइल की राइफल जिसमें एक स्कोप था, दो बैकपैक जो बाड़ पर लटके हुए थे और उनमें सिरेमिक टाइल रखी हुई थीं और एक गोप्रो कैमरा घटनास्थल पर बरामद किया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार एक व्यक्ति कार में भाग गया, जिसे एक गवाह ने देखा। चश्मदीद ने पाम बीच के उत्तर में मार्टिन काउंटी में क95 पर उत्तर की ओर जा रहे वाहन का पता लगाने में कानून प्रवर्तन एजेंसी की सहायता की। श्री ब्रैडशॉ ने कहा हमें एक गवाह मिला, जो हमारे पास आया और कहा, 'अरे, मैंने उस आदमी को झाड़ियों से भागते हुए देखा, वह एक काले निसान में कूद गया, और मैंने वाहन तथा टैग की एक तस्वीर ली।सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने मार्टिन काउंटी शेरिफ कार्यालय को सूचित किया, जिसने व्यक्ति को हिरासत में लिया, जिसकी बाद में एक गवाह ने पहचान की।

हिना खान ने दुल्हन बनकर किया रैंप वॉक

पेज 1 का शेष

देश सेवा रही प्रमुख....

में पैदा हुए नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने लगातार तीन कार्यकाल (2001-14) तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और अब वह रिकॉर्ड तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री हैं।हर साल की तरह इस बार भी भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर को सेवा पखवाड़ा या सेवा पर्व शुरू करने जा रही है। इस पहल के तहत देशभर में रक्तदान शिविर और स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। इसके साथ ही पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अस्पतालों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान चलाएंगे। स्वच्छ भारत अभियान, मोदी सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसे हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका नेचर ने बढ़ावा दिया था, जिसमें दावा किया गया कि इस अभियान ने 60,000 से 70,000 शिशु मृत्यु को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी के 74वें जन्मदिन के उपलक्ष्य पर राजस्थान की प्रसिद्ध अजमेर शरीफ दरगाह पर 4,000 किलो शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। गुजरात के सूरत में कई व्यापारियों ने 17 सितंबर को अपने उत्पादों पर 10 से 100% तक की छूट की घोषणा की है। यह छूट होटल, बाजार, परिवहन सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में लागू होगी।

पाकिस्तान दुनिया.....

चाहता है।त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ जनसभा में श्री योगी ने कहा कि संत ईश्वरीय सत्ता के प्रतिनिधि के रूप में इस धराधाम पर आकर कार्य कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में संत अगर किसी कार्य में जुड़ जाएंगे तो उसे सफल होना ही है। संतों के सानिध्य में हमें धर्म जागरण के अभियान को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। श्री योगी ने कहा कि हमें मिलकर कार्य करना होगा और इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है।

उन्होंने कहा कि यहां के राजा में शक्ति एवं सामर्थ्य था, इसलिए त्रिपुरा स्वतंत्र एवं सुरक्षित रहा। यहां के राजा ने जनता को एकजुट करके त्रिपुरा को विधर्मियों एवं विदेशी आक्रांताओं से बचाए रखा। जो सामर्थ्यवान होगा और ताकत का एहसास अपने दुश्मनों को कराएगा, वो हमेशा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जो अपनी ताकत खोकर अपने दुश्मन और मित्र को समझने में भूल करेगा, उसी प्रकार का खामियाजा भुगतेगा जैसा आज बांग्लादेश में हो रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगलादेश के हालात पर हमें चिंतन करने की आवश्यकता है कि इसके लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इस बात को जानता था कि अगर हम कांग्रेस के द्वारा चलाई गई दुर्वयसंधि का शिकार होते रहेंगे तो कांग्रेस देश का विभाजन कराएगी, हिंदुओं का कत्लेआम कराएगी, उन्हें जातियों में बांटकर लड़ाएगी और भारत की परंपरा-संस्कृति को नष्ट एवं भ्रष्ट कर देगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बात सच साबित हुई और कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए देश का विभाजन कराया।उन्होंने कहा कि 1905 में बंगभंग आंदोलन के दौरान अगर बंगाल विरोध नहीं करता तो सबको पता है कि उस समय देश में क्या होता। योगी ने कहा कि आरएसएस-विश्व हिंदू परिषद अपनी सेवा का प्रोपेगेंडा और सौदेबाजी नहीं करते हैं। श्री योगी ने कहा कि आरएसएस आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में विद्याभारती के माध्यम से हजारों शिक्षण संस्थानों एवं सेवा के प्रकल्पों का संचालन कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद पूरे देश में जनजातीय क्षेत्रों में एक लाख से अधिक गांवों में एकल विद्यालय का संचालन कर रहा है। श्रीराम वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से विश्व हिंदू परिषद ने 1984 में गोरखपुर में जनजातीय छात्रावास प्रारंभ किया था, जिसमें पूर्वोत्तर के बच्चे जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे।उन्होंने कहा कि अब भारत का समय है इसलिए आज हम लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाने की ओर अग्रसर हैं।श्री योगी ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनने से पांच सदी का इंतजार समाप्त हुआ है। कुछ लोगों को मंदिर के बन जाने से बुरा लग रहा है, जिन्हें बुरा लग रहा है उनका हम क्या कर सकते हैं। हम भारत की बहुसंख्यक जनता की आस्था को सम्मान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी सनातन धर्म की आस्था के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। ये तीनों स्थल जैसे आज पूज्य हैं, उसी रूप में आगे भी बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म सर्वे भवन्तु सुखिनः की बात करता है, लेकिन ये तभी संभव है, जब हम सुरक्षित रहेंगे।उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में आज पूरा देश एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए कार्य कर रहा है। आज त्रिपुरा में सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल है। आज से सात-आठ वर्ष पहले यह संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि एक ओर यहां की डबल इंजन की सरकार त्रिपुरा के सर्वांगीण विकास के लिए डबल स्पीड से कार्य कर रही है तो वहीं दूसरी ओर त्रिपुरा में धार्मिक क्षेत्र में भी प्रगति हो रही है। श्री योगी ने कहा कि त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में पहले पर्व और त्योहार के दौरान दंगे होते थे। आज हमने उत्तर प्रदेश में दंगाइयों के लिए बुल्डोजर और भक्तों को प्रभु श्रीराम का मंदिर दे दिया है। उन्होंने कहा कि हम सबको ध्यान रखना होगा कि धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः यानी अगर हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी भी रक्षा करेगा। वहीं अगर अपने स्वार्थ के लिए हम अपने धर्म का बलिदान करेंगे तो धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। 'यतो धर्मस्ततो जयः' सनातन धर्म की यही शिक्षा है।

मोदी 3.0 के 100.....

टैक्स मुकदमेबाजी में कमी आएगी।वित्त मंत्री के मुताबिक, आईटीआर जमा करने वाले कुल लोगों में से 72 प्रतिशत ने नई इनकम टैक्स रिजीम को चुना है।असेसमेंट ईयर 2024-25 में 7.28 करोड़ आईटीआर जमा किए जा चुके हैं। बीते एक दशक में आईटीआर प्रोसेसिंग के समय में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है।वित्त मंत्री सीतारमण के मुताबिक, अब आईटीआर प्रोसेस होने का औसत समय घटकर 10 दिन रह गया है, जो कि 2013 में 93 दिन था।हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दी गई है। इस स्कीम को एक अप्रैल, 2025 से लागू किया जाएगा। यूपीएस के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) और नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) दोनों में से कोई एक पेंशन स्कीम को चुन सकते हैं।राज्य सरकारें, ओल्ड पेंशन स्कीम के साथ तीनों में से कोई भी विकल्प अपने कर्मचारियों के लिए चुन सकती हैं।यूपीएस के तहत अगर सरकारी कर्मचारी 25 साल की सेवा के बाद रिटायर होता है तो उसे बीते 12 महीने की औसत सैलरी का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा।इस स्कीम की खास बात है कि इसमें सरकारी कर्मचारी को निर्धारित तय पेंशन दी जाती है। अगर रिटायरमेंट के बाद कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवारजनों को पेंशन की 60 प्रतिशत राशि मिलेगी।यूपीएस में रिटायरमेंट पर लंप-सम राशि भी दी जाएगी। यूपीएस का सीधा फायदा 23 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा।मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में केंद्र सरकार की ओर से आर्मी, नेवी और एयरफोर्स एवं अन्य डिफेंस यूनिट्स के लिए वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) में रैंक आधार पर पेंशन को संशोधित किया गया है। नई पेंशन 1 जुलाई, 2024 से लागू हो गई हैं।

हम भारत में बना.....

लाभार्थियों से बातचीत करने के बाद गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इनवेस्ट) का उद्घाटन किया। उन्होंने इस दौरान कहा, आप सभी जानते हैं कि भारत की जनता ने 60 साल बाद लगातार किसी सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया है। हमारी सरकार को मिले तीसरे कार्यकाल के पीछे भारत की बहुत आकांक्षायें हैं। आज 140 करोड़ भारतवासियों, युवाओं और महिलाओं को भरोसा है कि उनकी आकांक्षाओं को पिछले 10 साल में जो पंख लगे हैं। वे इस तीसरे कार्यकाल में एक नयी उड़ान भरेंगे।श के गरीब, दलित, पीड़ित, शोषित और वंचित को भरोसा है कि हमारा तीसरा टर्म उनके गरिमापूर्ण जीवन जीने की गारंटी बनेगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ भारतीय देश को तेजी से टॉप तीन इकॉनोमी में पहुंचाने का संकल्प लेकर काम कर रहे हैं। एक बड़ी दूरदर्शिता, एक बड़े मिशन का हिस्सा है, ये 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की हमारे कार्रवाई योजना का हिस्सा है।

मैं देश के लिए जिऊंगा, देश.....

पहली बार गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर आए श्री मोदी ने 8000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का आज लोकार्पण और शिलान्यास किया।राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में गुजरात में अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित विकसित भारत, विकसित गुजरात समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे।इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करने से पहले जब प्रधानमंत्री लोगों के बीच से गुजरे, तो उपस्थित जनसमूह उत्साह और उमंग से सराबोर हो गया। श्री मोदी ने हजारों लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। विकसित भारत, विकसित गुजरात समारोह में उन्होंने कहा कि आज देश में चारों ओर उत्सव का माहौल है। उत्सव के इन दिनों में भारत में विकास का पर्व भी निरंतर मनाया जा रहा है। आज गुजरात में 8000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है, जिनमें रोड, रेल और मेट्रो जैसी अनेक परियोजनाएं शामिल हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गुजरात के हजारों परिवारों को अपने सपनों का घर मिला है।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक जूही सिन्हा द्वारा रुद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।